Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2026 = 8.727
https://www.srjis.com/issues_data/293
Peer Reviewed & Refereed Journal, MAY-JUNE 2026, Vol- 15/95

मेरठ जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षण–अधिगम सम्बन्धित सुविधाओं का अध्ययन

लोकेश कुमार* एवं प्रो० राजीव कुमार**
शोधार्थी, शिक्षा विभाग, एन० ए० एस० कॉलिज, मेरठ, उत्तर प्रदेश।
(Email- saajanlokesh@gmail.com)
प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, एन०ए०एस० कॉलिज, मेरठ, उत्तर प्रदेश।
(Email- drrajive@gmail.com)

Paper Received On: 20 MAY 2026
Peer Reviewed On: 24 JUNE 2026
Published On: 01 JULY 2026

Abstract

प्रस्तुत अध्ययन में मेरठ जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों एवं कार्यरत् शिक्षकों की शिक्षण–अधिगम सम्बन्धित सुविधाओं का अध्ययन किया गया है। इस शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। जनसंख्या के रूप में मेरठ जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों को लिया गया है। न्यादर्श में मेरठ जनपद के 12 विकास खण्डों से ग्रामीण क्षेत्रों के 60 अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों से 600 छात्रों को तथा 240 अध्यापकों का चयन लॉटरी विधि द्वारा किया गया है। उपकरण के रूप में स्वनिर्मित प्रश्नावली एवं जाँच सूची का प्रयोग किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों एवं कार्यरत् शिक्षकों को कुछ सुविधाएँ कम मिल रही हैं जिससे शिक्षण–अधिगम सही ढंग से नहीं हो पा रहा है। अतः विद्यार्थियों व शिक्षकों को शिक्षण–अधिगम में मिलने वाली सुविधाओं में और सुधार किया जाना चाहिए।

प्रस्तावना

शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है और इन सबके विकास में विद्यालयों का महत्वपूर्ण योगदान है। विद्यालय ही वह स्थान है जो विद्यार्थियों को बनाने या बिगाड़ने के लिए उत्तरदायी होता है। अच्छे विद्यालय व अच्छे शिक्षण–अधिगम से विद्यार्थियों की उन्नति के मार्ग खुलते हैं। आज भी बहुत से ग्रामीण क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ शैक्षिक जागरूकता के अभाव के कारण, विद्यालयों में विद्यार्थियों को शिक्षण–अधिगम सम्बन्धित सुविधाओं का अभाव है। अतः इस शोध अध्ययन में मेरठ जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की शिक्षण–अधिगम सम्बन्धित सुविधाओं का अध्ययन किया गया है।

सम्बन्धित साहित्य

बारपाण्डा, निरूपमा (1995) ने अनाथलयों में बच्चों को प्रदान की जाने वाली शैक्षिक सुविधाओं का अध्ययन किया। उन्हें समय पर किताबें, पेन, पेन्सिल, नोट बुक उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। रॉबिनसन, मीला स्पार्क (1996) ने शैक्षिक विकास की योजनाओं द्वारा पिछड़े क्षेत्र के बालकों को प्राप्त होने वाली शैक्षिक सुविधाएँ विषयक शोध कार्य किया। इन्होंने अपने शोध में पाया कि शैक्षिक विकास की योजनाओं द्वारा पिछड़े क्षेत्र के बालको को सुविधाएँ प्राप्त होती है तथा जीवन में आगे बढ़ने का सकारात्मक अवसर प्राप्त होता है। शर्मा, राकेश कुमार (2004) ने

सिरसा जिले के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के किशोरावस्था के विद्यार्थी के समस्याओं का अध्ययन किया एवं पाया कि सिरसा के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के किशोरावस्था के विद्यार्थियों की समस्याएँ सामान्य स्तर की है। न्यूहाउस डेविड एवं कैथलीन बीगल (2006) ने विद्यालीय प्रकारों का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर अध्ययन किया तो निष्कर्ष में पाया विद्यालयी प्रकारों की आधारभूत शैक्षिक एवं प्रशासनिक सुविधाओं का भिन्न–भिन्न प्रकार पाया गया। वर्तमान समय में प्रारूप, संगठनात्मक, स्वरूप, वित्तीय स्वरूप अवस्थापना सुविधाओं, कार्य प्रवृत्तियों एवं पाठ्यचर्या भी भिन्न–भिन्न है। श्रीवास्तव, एच०एस० (2006) ने पाया गया कि शिक्षा के क्षेत्र में निजी संस्थाओं की वृद्धि हो रही है व उनके प्रति आकर्षण व भागीदारी भी बढ़ रही है, क्योंकि सरकारी विद्यालयों में सुविधाओं की कमी हैं। संगठित क्षेत्र व सुविधाओं के कारण निजी क्षेत्र अपनी स्थिति सुदृढ़ कर रहा है। सुविधाओं के न मिलने से विद्यालयों में छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में बाधा आ रही है। शुक्ला, गोपाल (2008) ने पाया गया है कि कुसमायोजित शिक्षकों की संख्या समायोजित शिक्षकों की संख्या से अधिक होने के कारण शिक्षण–अधिगम प्रभावित होते हैं। कुल्हरी रेखा (2016) ने पाया कि राजकीय विद्यालयों में सुविधाओं के अभाव के कारण दलित वर्ग के ग्रामीण छात्रों की शैक्षिक समस्याएँ शहरी छात्रों व छात्राओं से बहुत अधिक पायी गई है। महिवाल जी० एवं पी० कुमार (2017) ने अपने अध्ययन में पाया कि माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को स्कूल मैंनेजमेंट एण्ड डेवलपमेंट कमेटी में वित्त की कमी के कारण स्कूल की आवश्यकताओं को पूरा करने में कठिनाई का अनुभव होता है। साथ ही दिशा निर्देशों का अभाव, स्कूल छोड़ देने वाले विद्यार्थियों के लिए राज्य एवं केन्द्र सरकार के प्रयासों में कमी तथा सेवारत् शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नियमित मूल्यांकन का अभाव भी पाया। समिता, सुश्री (2021) ने अपने अध्ययन में पाया कि बच्चों की शिक्षा में, परिवार की बहुत अधिक भूमिका होती है। कुमार, बृजेश व गुप्ता, रमेन्द्र कुमार (2023) ने बताया कि विद्यार्थियों के मूल्यों का अधिक से अधिक विकास तथा शिक्षण के उद्देश्य पूरे करना है। इसमें परिवार का वातावरण, विद्यालय का वातावरण, कक्षागत व्यवहार तथा वातावरण में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विद्यार्थियों के कक्षा वातावरण में शिक्षकों के नेतृत्व की आवश्यकता होती है। जिससे विद्यार्थियों की शैक्षिक गतिविधियों को अधिक सीखते हैं।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. मेरठ जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों से सम्बन्धित सुविधाओं का अध्ययन करना।
2. मेरठ जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों से सम्बन्धित सुविधाओं का अध्ययन करना।

शोध अध्ययन की विधि

शोधकर्ता ने अपने शोध अध्ययन की प्रकृति को देखते हुए वर्तमान शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का चयन किया है।

शोध जनसंख्या एवं न्यादर्श

इस शोध अध्ययन में मेरठ जनपद के 12 विकास खण्डों से ग्रामीण क्षेत्रों के 60 अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों को शोध में शामिल किया गया है तथा प्रत्येक चयनित माध्यमिक विद्यालय से 4 शिक्षकों व 10 विद्यार्थियों को लिया गया है। अतः इस न्यादर्श में 600 विद्यार्थियों तथा 240 शिक्षकों का चयन किया गया है।

Copyright © 2026, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

शोध अध्ययन का सीमांकन

शोधकर्ता ने इस शोध अध्ययन को मेरठ जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों तक ही सीमित रखा है। इस शोध अध्ययन में केवल अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों को शामिल किया है। इस शोध अध्ययन में छात्र एवं छात्राओं दोनों को शामिल किया है। इस शोध अध्ययन के लिए अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को शामिल किया है।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

इस शोध को पूर्ण करने के लिए उपयुक्त उपकरण का चुनाव किया गया है। आँकड़ों के संग्रह के लिए स्वनिर्मित जाँच सूची और प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं परिणाम

इस शोध अध्ययन में, अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की शिक्षण–अधिगम सम्बन्धित सुविधाओं की जानकारी जाँच सूची का प्रयोग करके जो आँकड़े प्राप्त किये उनका विवरण तालिका संख्या 1 तथा 2 में दिया गया है।

तालिका – 1

ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों की शिक्षण–अधिगम सम्बन्धी सुविधाओं का विवरण –

क्र० सं०	कथन (Statement)	हाँ		नहीं	
		संख्या	%	संख्या	%
1	विद्यालय में शिक्षकों के लिए शैक्षिक तकनीकी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।	183	76.25	57	23.75
2	विद्यालय में शिक्षक अभिभावक बैठक नियमित होती है।	177	73.75	63	26.25
3	सहायक शिक्षण सामग्री से शिक्षण कार्य करने में सुगमता आती है।	213	88.75	27	11.25
4	विद्यालय में शिक्षकों को अतिरिक्त कार्य दिया जाता है।	128	53.33	112	46.66
5	शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने से कार्य में सुगमता आती है।	226	94.16	14	5.84
6	शिक्षकों के बैठने के लिए स्टॉफ रूप की उचित व्यवस्था है।	213	88.75	27	11.25
7	विद्यार्थियों को पढ़ाते समय चॉक, डस्टर आदि की उचित व्यवस्था है।	221	92.08	19	7.92
8	शिक्षकों के लिए पर्याप्त फर्नीचर की व्यवस्था है।	214	89.16	26	10.84
9	कक्षा–कक्ष रोशनी युक्त होने से शिक्षण कार्य सुगम होता है।	219	91.25	21	8.75
10	विद्यालय प्रबन्धक से शिक्षकों को उचित सुविधाओं का लाभ मिलता है।	176	73.33	64	26.66
11	शिक्षक को समय सारणी से शिक्षण कार्य करने में मदद मिलती है।	222	92.5	18	7.5
12	शिक्षकों को मासिक वेतन समय पर मिलता है।	218	90.84	22	9.16
13	शिक्षकों को सरकारी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती है।	148	61.66	92	38.34

Copyright © 2026, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

14	शिक्षकों को उचित अवकाश प्रदान किये जाते हैं।	215	89.58	25	10.42
15	पुरूष एवं महिला शिक्षक के लिए शौचालय की उचित व्यवस्था अलग अलग है।	175	72.91	65	27.09
16	विज्ञान वर्ग के शिक्षकों के लिए प्रयोगशाला में उपकरण उपलब्ध हैं।	130	54.16	110	45.84
17	शिक्षकों के लिए स्वच्छ पेयजल की उचित व्यवस्था है।	221	92.08	19	7.92
18	परीक्षा के मूल्यांकन में अतिरिक्त धनराशि प्राप्त होती है।	158	65.84	82	34.16
19	शिक्षकों को उनकी योग्यतानुसार विषय दिये जाते हैं।	223	92.91	17	7.09
20	शिक्षक अपना कार्य नियोजित करने में पूर्ण स्वतंत्र है।	196	81.66	44	18.34

उपरोक्त तालिका नं० 1 में शिक्षकों से प्राप्त आँकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित विद्यालयों में 76.25% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षकों के लिए शैक्षिक तकनीकी सुविधाएँ हैं। 73.75% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षकों की अभिभावकों के साथ नियमित बैठक होती है। 88.75% शिक्षकों का मानना है कि सहायक शिक्षण सामग्री से शिक्षण कार्य करने में सुगमता आती है। 46.66% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षकों को विद्यालय का अतिरिक्त कार्य नहीं दिया जाता है। 94.16% शिक्षकों का मानना है कि विद्यालय में शिक्षकों की पर्याप्त संख्या से कार्य में सुगमता आती है। ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित विद्यालयों में 88.75% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षकों के लिए बैठने के लिए स्टॉफ रूम की उचित व्यवस्था है। 92.08% शिक्षकों का मानना है कि पढ़ाते समय चॉक, डस्टर आदि की उचित सुविधा है। 89.16% शिक्षकों का मानना है कि पर्याप्त फर्नीचर की व्यवस्था है। 91.25% शिक्षकों का मानना है कि कक्षा–कक्ष रोशनी युक्त होने शिक्षण कार्य सुगम होता है। 73.33% शिक्षकों का मानना है कि विद्यालय प्रबन्धक से उचित सुविधाओं का लाभ मिलता है। 92.5% शिक्षकों का मानना है कि उपयुक्त समय सारणी के अनुसार शिक्षण कार्य करने में मदद मिलती है। 90.84% शिक्षकों का मानना है कि मासिक वेतन समय पर मिलता है। 61.66% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षकों को सरकारी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती है। 89.58% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षकों को विद्यालय में उचित अवकाश प्रदान किये जाते हैं। 72.91% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षकों को के लिए शौचालय की व्यवस्था अलग–अलग है।` 54.16% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षकों के लिए प्रयोगशाला में उपकरण उपलब्ध है। 92.08% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षकों के लिए स्वच्छ पेयजल की उचित व्यवस्था है। 65.84% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षकों को परीक्षा के मूल्यांकन से अतिरिक्त धनराशि प्राप्त होती है। 92.91% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षकों को उनकी योग्यतानुसार विषय दिये जाते हैं। 81.66% शिक्षकों का मानना है कि शिक्षक अपना कार्य नियोजित करने के लिए पूर्ण स्वतंत्र है।

तालिका – 2

ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शिक्षण–अधिगम सम्बन्धी सुविधाओं का विवरण –

क्र० सं०	कथन (Statement)	हाँ		नहीं	
		संख्या	%	संख्या	%
1	विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए पानी की उचित व्यवस्था है।	290	48.33	310	51.46
2	विद्यार्थियों के लिए विज्ञान की प्रयोगशाला की उचित व्यवस्था है।	275	45.84	325	54.16
3	विद्यार्थियों के प्रति अध्यापक अैर अध्यापिकाओं का व्यवहार उपयुक्त है।	564	94	36	6
4	विद्यालय का वातावरण शिक्षण–अधिगम के लिए अनुकूल है।	529	88.16	71	11.84
5	विद्यालय में शौचालय की साफ–सफाई की उचित व्यवस्था है।	409	68.16	191	31.84
6	विद्यालय में बैठने के लिए फर्नीचर की उचित व्यवस्था है।	575	95.84	25	4.16
7	विद्यार्थियों को विद्यालय द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।	389	64.84	211	35.16
8	छात्र एवं छात्राओं के लिए शौचालय की व्यवस्था अलग–अलग है।	484	80.66	116	19.34
9	विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक तकनीकी की सुविधाएँ उपलब्ध है।	374	62.34	226	37.66
10	विद्यालय द्वारा निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें प्रदान की जाती है।	274	45.66	326	54.34
11	विद्यालय में छात्र–छात्राओं के लिए खेलकूद की उचित व्यवस्था है।	357	59.5	243	40.5
12	शिक्षण–अधिगम को सुगम बनाने के लिए कम्प्यूटर लैब की व्यवस्था है।	218	36.34	382	63.66
13	विद्यालय में प्राथमिक उपचार की उचित सुविधा उपलब्ध है।	432	72	168	28
14	विद्यालय में ग्रीष्म ऋतु में पंखो की उचित सुविधा हैं।	550	91.66	50	8.33
15	विद्यालय में अच्छे चॉक, बोर्ड की उचित सुविधा उपलब्ध है।	528	88	72	12
16	विद्यालय में अध्ययन कक्ष हवादार और प्रकाश युक्त है।	543	90.5	57	9.5
17	विद्यालय में सभी विषयों के शिक्षक उपलब्ध हैं।	563	93.84	37	6.16

Copyright © 2026, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

18	विज्ञान की प्रयोगशाला में प्रयोग सम्बन्धी सामग्री की उचित व्यवस्था है।	276	46	324	54
19	शिक्षकों द्वारा छात्र–छात्राओं को गृह कार्य दिया जाता है।	562	93.66	38	6.34
20	विद्यालय में विषयवार मासिक टेस्ट कराये जाते हैं।	541	90.16	59	9.84
21	छात्र–छात्राओं के लिए स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध है।	495	82.5	105	17.5
22	विद्यालय द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित कराई जाती हैं।	427	71.16	173	28.84
23	वार्षिक परीक्षाफल घोषित होने के बाद विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाता है।	473	78.84	127	21.16
24	विद्यालय की साफ–सफाई के लिए सफाई कर्मचारी की उचित व्यवस्था है।	531	88.5	69	11.5
25	विद्यालय में पर्याप्त शिक्षण कक्ष उपलब्ध है।	540	90	60	10

उपरोक्त तालिका नं० 2 में प्रस्तुत आँकड़ों के ग्रामीण क्षेत्रों के अनुसार अनुदानित विद्यालयों में 48.33% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए पानी की उचित व्यवस्था है। 45.84% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए विज्ञान की प्रयोगशाला की उचित व्यवस्था है। 94% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के प्रति शिक्षकों का व्यवहार उपयुक्त है। 88.16% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए विद्यालय का वातावरण शिक्षण–अधिगम के लिए अनुकूल है। 68.16% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में शौचालय की सफाई की उचित व्यवस्था है। 95.84% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के बैठने के लिए फर्नीचर की उचित व्यवस्था है। 64.84% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के बैठने के लिए फर्नीचर की उचित व्यवस्था है। 80.66% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए अलग– अलग शौचालय की व्यवस्था है। 62.34% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक तकनीकी की सुविधाएँ उपलब्ध है। 45.66% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों को विद्यालय द्वारा निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें प्रदान की जाती है। 59.5% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए खेलकूद की उचित व्यवस्था है। 36.34% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए अधिगम को सुगम बनाने के लिए कम्प्यूटर लैब की व्यवस्था है। 72% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए प्राथमिक उपचार की उचित सुविधा है। 91.66% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में ग्रीष्म ऋतु में पंखों की उचित सुविधा है। 88% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए अच्छे चॉक बोर्ड की उचित सुविधा उपलब्ध है। 90.5% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में अध्ययन कक्ष हवादार और प्रकाश युक्त है। 93.84% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए सभी विषयों के शिक्षक उपलब्ध है।

Copyright © 2026, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

46% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए प्रयोगशाला में प्रयोग सामग्री की उचित व्यवस्था है। 93.66% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों को शिक्षकों द्वारा गृह कार्य दिया जाता है। 90.16% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों से विषयवार मासिक टेस्ट कराये जाते हैं। 82.5% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध है। 71.16% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित कराई जाती हैं। 78.84% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा फल पर पुरस्कृत किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित विद्यालयों में 88.5% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में साफ–सफाई के लिए कर्मचारी की उचित व्यवस्था है। 90% विद्यार्थियों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त शिक्षण कक्ष उपलब्ध है।

निष्कर्ष

उपरोक्त परिणामों से ज्ञात होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए शिक्षण–अधिगम सम्बन्धित मिलने वाली कुछ सुविधाएँ अपर्याप्त हैं इनमें और अधिक सुधार किया जा सकता है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को कुछ सुविधाएँ कम मिल रही हैं जिससे शिक्षण–अधिगम सही ढंग से नहीं हो पा रहा है। अतः विद्यार्थियों व शिक्षकों को शिक्षण–अधिगम में मिलने वाली सुविधाओं में और सुधार किया जाना चाहिए।

संदर्भ सूची

बारपाण्डा, निरूपम (1995) उड़ीसा के अनाथालयों में पले बच्चों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन, संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर, उड़ीसा।

रॉबिन्सन, मीला स्पार्क (1996) ''शैक्षिक विकास की योजनाओं द्वारा पिछड़े क्षेत्र के बालकों को प्राप्त होने वाली शैक्षिक सुविधाएँ'', पी–एच०डी० यूनिवर्सिटी ऑफ जोहानसंबर्ग।

शर्मा, राकेश कुमार (2004) कुरूक्षेत्र जिले के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के किशोरावस्था के विद्यार्थियों की समस्याओं का अध्ययन अनपब्लिशड डेजिरटेशन कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र।

न्यहाउस डेविड एवं कैथलीन बीगल (2006) द इफेक्ट ऑफ स्कूल टाईप ऑन एकेडमिक एचीवमेंट : एविडेन्स फ्राम इंडोनेशिया जर्नल ऑफ ह्यूमन रिर्सोसिज़ यूनिवर्सिटी ऑफ बिनकोनसिन प्रेस 2006, वॉल्यूम 41, इशू 3, पृ० 529–557।

श्रीवास्तव, एच०एस० (2006) ने ''ग्रोथ ऑफ प्राइवेट एंटरप्राइजेट इन एजुकेशन इन मध्यप्रदेश,'' पी–एच०डी०।

शुक्ला, गोपाल (2008) कुसमायोजित प्राथमिक शिक्षकों की समस्याएँ कारण एवं निराकरण (सुल्तानपुर जनपद के विशेष संदर्भ में) द्वारा डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद।

कुल्हरी, रेखा (2016) माध्यमिक स्तर के दलित वर्ग के विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याएँ पारिवारिक वातावरण एवं आकाश स्तर का अध्ययन, उच्च अध्ययन शिक्षण संस्थान गाँधी विद्या मंदिर, सरदार शहर : जिला चुरु (राजस्थान)।

महिवाल जी एण्ड पी० कुमार (2017) डिफिकल्टीज वीइंग फेस्ड बाय सेकेण्ड्री स्कूल टीचरर्स ड्यूरिंग इम्पलिमेंनटेशन ऑफ राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान इन जम्मू डिवीजन इण्टरनेशनल जर्नल्स ऑफ अपलाइस रिसर्च वॉल्यूम 3, नं० 5, पृ०सं० 741–745।

समिता, सुश्री (2021) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एण्ड रिव्यू वॉल्यूम 2, इश्यू 9, 2021 पृ०सं० 985–989।

Copyright © 2026, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

कुमार, बृजेश व गुप्ता, रामेन्द्र कुमार (2023) ''कक्षा वातावरण में विद्यार्थियों के मूल्यों का विकास'', वेबिनार : 28–29 मार्च 2023 राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में स्कूल शिक्षा, ISBN: 978-93-89984-71-2 पी०जी० पब्लिकेशन दिल्ली, पृ०सं० 73–80।

कुमार, विनोद के सत्यपाल एवं अंजू पारेख (2024) ''इम्पेक्ट ऑफ फैमिली इनवायरमेंट ऑन द एजुकेशनल इन ट्रस्ट अमंग सेकेण्डरी स्कूल स्टूण्डेन्टस ऑफ राजस्थान, इंटरनेशनल एजुकेशन एण्ड रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम 10, नं० 7 (जुलाई 2024)।

Copyright © 2026, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies